REET

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

LATEST EDITION

2022

2 LEVEL

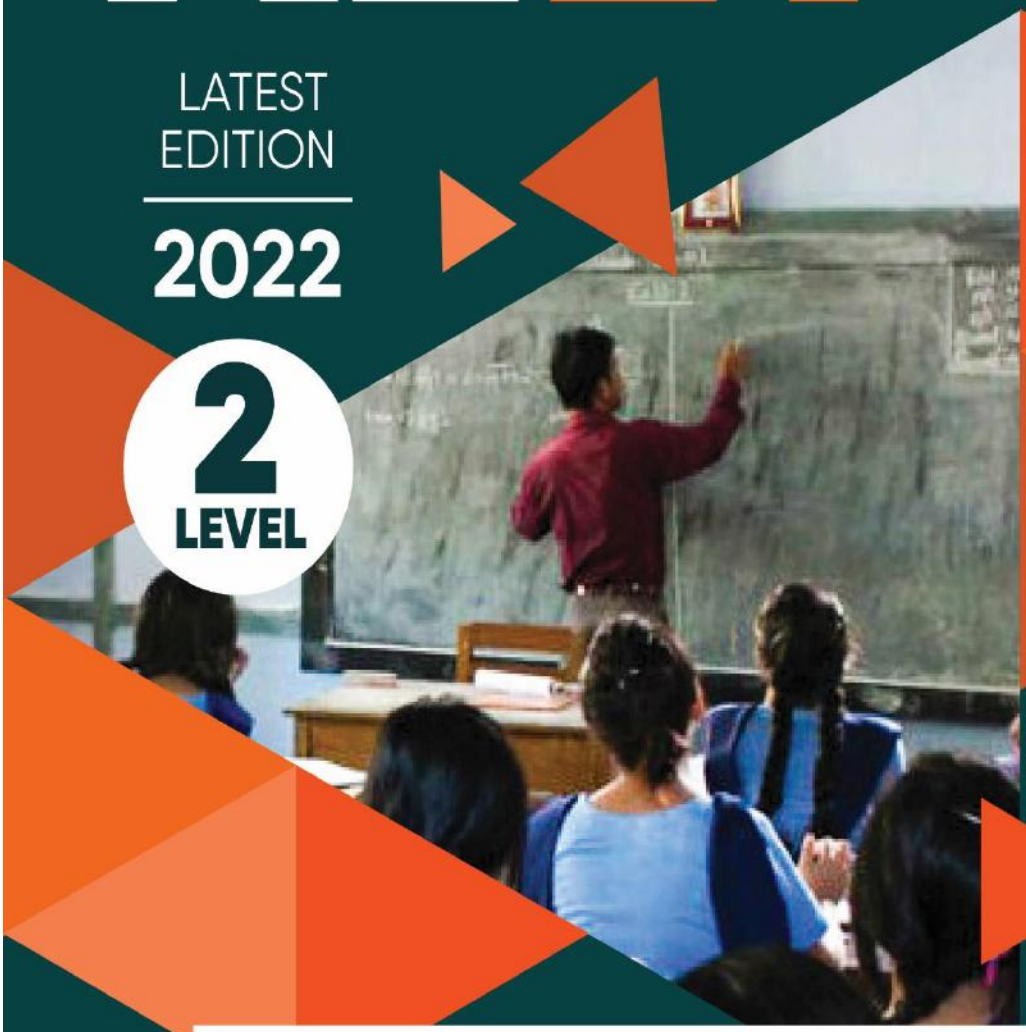

HANDWRITTEN NOTES

राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा

भाग-1 हिंदी (भाषा – I & II)

हिंदी (भाषा – I)

1. एक अपठित गद्यांश में से निम्नलिखित व्याकरण संबंधी प्रश्न :

- शब्द ज्ञान- तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी शब्द पर्यायवाची, विलोम, एकार्थी शब्द उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, विशेष्य, अव्यय वाक्यांश के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि ।

2. एक अपठित गद्यांश में से निम्नलिखित बिंदुओं पर प्रश्न :

- रेखांकित शब्दों का अर्थ स्पष्ट करना, वचन, काल, लिंग ज्ञात करना। दिए गए शब्दों का वचन काल और लिंग बदलना, राजस्थानी शब्दों के हिन्दी रूप

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

3. वाक्य रचना, वाक्य के अंग, वाक्य के प्रकार, पदबंध, मुहावरे और लोकोक्तियाँ, विराम चिन्ह।

4. भाषा की शिक्षण विधि, भाषा शिक्षण के उपागम, भाषा दक्षता का विकास

5. भाषायी कौशलों का विकास (सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना) हिंदी भाषा शिक्षण में चुनौतियाँ, शिक्षण अधिगम सामग्री, पाठ्य पुस्तक, बहु- माध्यम एवं शिक्षण के अन्य संसाधन।

6. भाषा शिक्षण में मूल्यांकन, उपलब्धि परीक्षण का निर्माण समग्र एवं सतत् मूल्यांकन, उपचारात्मक शिक्षण

हिंदी (भाषा – II)

7. एक अपठित गद्यांश आधारित निम्नलिखित व्याकरण संबंधी प्रश्न :

- वर्ण विचार, वर्ण विश्लेषण शब्द ज्ञान - तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी शब्द, युग्म शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास, शब्दों को शब्द- कोश क्रम में लिखना, शब्दों के मानक रूप लिखना, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण, क्रिया, लिंग, वचन, काल

8. एक अपठित पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित बिंदुओं पर प्रश्न :

- विचार सौंदर्य
- भाव सौंदर्य
- विचार सौंदर्य
- नाद सौंदर्य
- शिल्प सौंदर्य
- जीवन दृष्टि

९. वाक्य रचना, वाक्य के अंग, वाक्य के भेद, पदबंध, मुहावरे लोकोक्तियाँ। कारक चिह्न, अव्यय, विराम चिह्न, राजस्थानी मुहावरों का अर्थ व प्रयोग ,भाषा शिक्षण विधि, भाषा शिक्षण के उपागम, भाषायी दक्षता का विकास।

10.भाषायी कौशलों का विकास (सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना) शिक्षण अधिगम सामग्री- पाठय पुस्तक, बहु- माध्यम एवं शिक्षण के अन्य संसाधन

II. भाषा शिक्षण में मूल्यांकन, (सुनना, बोलना, पढना, लिखना) उपलब्धि परीक्षण का निर्माण, समग्र एवं सतत् मूल्यांकन, उपचारात्मक शिक्षण

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट -

प्रिय छात्रों, Infusion Notes (इन्फ्यूजन नोट्स) के राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) LEVEL – 2 के sample notes आपको पीडीऍफ़ format में "फ्री" में दिए जा रहे हैं और complete Notes आपको Infusion Notes की website या (Amazon/Flipkart) से खरीदने होंगे जो कि आपको hardcopy यानि बुक फॉर्मेट में ही मिलेंगें, या नोट्स खरीदने के लिए हमारे नंबरों पर सीधे कॉल करें (8504091672, 8233195718, 9694804063) । किसी भी व्यक्ति को sample पीडीऍफ़ के लिए भुगतान नहीं करना है । अगर कोई ऐसा कर रहा है तो उसकी शिकायत हमारे Phone नंबर 8233195718, 0141-4045784 पर करें, उसके खिलाफ क़ानूनी कार्यवाई की जाएगी ।

अध्याय – I

अपठित गद्यांश

गद्यांश – I

निम्न गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों में सबसे उचित विकल्प चुनिए :

हम लोग जब हिन्दी की 'सेवा' करने की बात सोचते हैं, तो प्रायः भूल जाते हैं कि यह लाक्षणिक प्रयोग है । हिन्दी की सेवा का अर्थ है उस मानव समाज की सेवा, जिसके विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम हिन्दी है। मनुष्य ही बड़ी चीज है, भाषा उसी की सेवा के लिए है । साहित्य सृष्टि का भी यही अर्थ है । जो साहित्य अपने आप के लिए लिखा जाता है उसको क्या कीमत है, मैं नहीं कह सकता, परन्तु जो साहित्य मनुष्य समाज को रोग-शोक, दारिद्र्य, अज्ञान तथा परमुखापेक्षिता से बचाकर उसमें आत्मबल का संचार करता है, वह निश्चय ही अक्षय-निधि है।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- **'परमुखापेक्षिता' का अर्थ है**

(1)दूसरों से आशा रखना
(2)पयारा मुख अच्छा लगना
(3)पराये मुख की अपेक्षा करना
(4) ईश्वर का मुख

उत्तर : - (1)

- **कौन शब्द स्त्रीलिंग नहीं है ?**

(1)सेवा (2) भाषा
(3)प्रयोग (4)हिंदी

उत्तर : - (3)

- **इस गद्यांश में प्रयुक्त 'अर्थ' शब्द का अर्थ नहीं है**

(1) आशय (2) मतलब

(3) धन (4) अभिप्राय उत्तर : - (3)

- **कौनसा शब्द एकवचन हैं ?**

(1) विचारों (2) भाषाओं

(3) अक्षय (4) मनुष्यों उत्तरः - (3)

- **'कीमत' की बहुवचन है।**

(1) कीमती (2) कीमतों

(3) किमतों (4) किम्मत उत्तर : - (2)

- **'माध्यम' का बहुवचन है ।**

(1)मध्यमा (2) माध्यमिक

(3) मध्यम (4) माध्यमों उत्तर : - (4)

- **'अक्षय – निधि' का अर्थ है।**

(1) बिना क्षय रोग

(2) किसी का नाम

(3) कभी खत्म न होने वाली सम्पत्ति

(4) रोग रहित नहीं उत्तरः - (3)

गद्यांश – 2

निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर प्रश्न के उत्तर दीजिएः

भारत अब प्रौढ़ावस्था में आ पहुंचा है। भीषण घात-प्रतिघात से साक्षात्कार करते हुए भी उसने बहुमुखी विकास किया है, इसमें संदेह नहीं । लेकिन उसका एक प्रकोष्ठ अंधकार में अभी भी डूबा हुआ है- हृदय, जो कि मानवीय क्रिया व्यापार का नियन्ता है। इस समय वह स्वार्थपरता और भोगवाद के ऐसे रोग से ग्रसित हो गया है जिसके कारण मानवीय आचरण भी बनैला हो गया है। क्षेत्रवाद, जातिवाद, भाषावाद, सम्प्रदायवाद - प्रभृति विभिषिकाएँ जो आजादी के साथ उपहार में मिली थीं, आए दिन कहीं-न-कहीं अपनी लोमहर्षक लोला सम्पन्न करती रहती हैं। परिणामस्वरूप शिथिल पड़ते अनुशासन के बन्धन, विखण्डित होती श्रद्धा और कलंकित होता विश्वास; मानवता के लिए काँटो की सेज बन प्रस्तुत हो रहे हैं। फिर भी 21वीं सदी में प्रवेश की अधीरता हमें सर्वाधिक रही है। कतिपय लोल कपोलों की कृत्रिम रंगीनियाँ समूचे देशवासियों का पर्याय मान लेना उचित नहीं । अतः कल्पना के भव्य महलो के ध्वंसावशेषों पर यथार्थ की झोपड़ियों का निर्माण ही उचित होगा ।

- ***वह शब्द बताइए जिसमें संधि तथा प्रत्यय दोनों का प्रयोग हुआ है***

(A) रंगोनियों *(B) ध्वंसावशेषों*

(C)अधीरता *(D)संप्रदायवाद* *उत्तरः - (B)*

- *इनमें से वह शब्द बताइए जिसमें.....*

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये*

हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)	
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	

RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063

गद्यांश – 8

निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर प्रश्न के उत्तर दीजिए :

क्रोध सब मनोविकारों से फुर्तीला है, इसी से अवसर पड़ने पर यह और मनोविकारों का भी साथ देकर उनकी तुष्टि का साधक होता है। कभी वह दया के साथ कूदता है कभी घृणा के। एक क्रूर कुमार्गी किसी अनाथ अबला पर अत्याचार कर रहा है। हमारे हृदय में उस अनाथ अबला के प्रति दया उमड़ रही है। पर दया की अपनी शक्ति टो त्याग और कोमल व्यवहार तक होती है। यदि वह स्त्री अर्थकष्ट में होती टो उसे कुछ देकर हम अपने दया के वेग को शांत केर लेते।

- **निम्नलिखित में से 'स्त्री' शब्द का पर्यायवाची है :**

(1) ईहा (2) आपना

(3) शिला (4) अबला उत्तरः - (4)

- **'अत्याचार' शब्द में कौन – सा उपसर्ग है ?**

(1) अत (2) अति

(3) अती (4) अत्य उत्तर : - (2)

- **निम्नलिखित में से भाववाचक संज्ञा है।**

(1) अपनी (2) अवसर

(3) दया (4) यह उत्तर : - (3)

- **निम्नलिखित में से किस शब्द में प्रत्यय .....**

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

• तद्भव एवं तत्सम , देशज , विदेशज

तत्सम एवं तद्भव

शब्द – भेद

बनावट के आधार पर

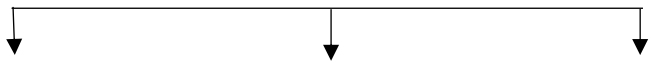

रूढ़ यौगिक योग रूढ़

उत्पत्ति के आधार पर

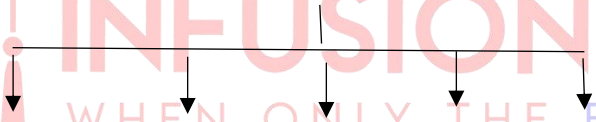

तत्सम तद्भव देशज विदेशी संकर

परम्परागत तत्सम –

जो शब्द संस्कृत वाङ्मय में उपलब्ध हैं, वे परंपरागत तत्सम कहे जाते हैं।

निर्मित तत्सम शब्द -

" जो शब्द नए विचारों और व्यापारों की अभिव्यक्ति करने के लिए संस्कृत के व्याकरण के अनुसार समय – समय पर बना लिए गए हैं "

1. *तत्सम : ' तत्सम ' (तत् + सम) शब्द का अर्थ है – 'उसके समान' अर्थात् संस्कृत के समान। हिन्दी में अनेक शब्द संस्कृत से आए हैं और आज भी उसी रूप में प्रयोग किए जा रहे हैं। अतः संस्कृत के ऐसे शब्द जिसे हम ज्यों- का –त्यों प्रयोग में लाते है, तत्सम शब्द कहलाते हैं ; जैसे – अग्नि,वायु, माता, पिता, प्रकाश , पत्र सूर्य आदि।*
2. *तद्भव शब्द – ' तद्भव ' शब्द का अर्थ है- ' उससे होना ' ; अर्थात् वे शब्द जो ' स्त्रोत भाषा ' के शब्दों से विकसित हुए हैं। चूँकि ये शब्द संस्कृत से चलकर पालि – प्राकृत अपभ्रंश से होते हुए हिन्दी तक पहुंचे हैं , अत : इनके स्वरूप में परिवर्तन आ गया है , जैसे – 'दही' शब्द 'कान्ह' शब्द (कृष्ण) से विकसित होकर हिन्दी में आए हैं ऐसे शब्दों को '**तद्भव शब्द**' कहा जाता है*

तद्भव	**तत्सम**
सोना	स्वर्ण
सोलह	षोड़स
कूची	कूर्चिका
मयूर	मोर
पिय	प्रिय

किवाड़	कपाट
कान	कर्ण
खेत	क्षेत्र
घर	गृह
गाय	गौ
बात	वार्ता
चंदा	चन्द्रमा
अमिय	अमृत
माता	मातृ
काठ	काष्ठ
लोहा	लौह
बन्दर	वानर
दूध	दुग्ध

3. **देशज/देशी :** 'देशज' (देश+ज) शब्द का अर्थ है- देश में जमा | अतः ऐसे शब्द जो क्षेत्रीय प्रभाव के कारण परिस्थिति व आवश्यकतानुसार बनकर प्रचलित हो गए हैं, देशज या देशी शब्द कहलाते हैं ; जैसे – थैला , गड़बड़ , टट्टी , पेट , पगड़ी , लोटा ,टाँग , ठेठ आदि |

विदेशज/विदेशी/आगत : ' विदेशज ' (विदेश+ज) शब्द का अर्थ है –' विदेश में जन्मा ' | 'आगत' शब्द का अर्थ है आया हुआ हिन्दी में अनेक शब्द ऐसे है जो हैं तो विदेशी

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

मूल के, पर परस्पर संपर्क के कारण यहाँ प्रचलित हो गए हैं। अतः अन्य देश की भाषा से आए हुए शब्द विदेशज शब्द.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

• एकार्थी शब्द

एकार्थी शब्दों से अभिप्राय है, ऐसे शब्द जिनके अनेक अर्थ हों। हिंदी भाषा में भी कुछ ऐसे शब्द हैं, जिनका प्रयोग कई अर्थों में होता है। उनके अर्थों का ज्ञान वाक्य में प्रयोग से ही हो सकता है।

कुछ ऐसे ही शब्दों का संग्रह नीचे दिए जा रहे हैं –

1. **अनंत** – आकाश, जिसका अंत न हो, ईश्वर, शेषनाग।
2. **आली** – सखी, पंक्ति।
3. **अलि** – सखी, कोयल, भँवरा।
4. **अवधि** – समय, सीमा।
5. **आदि** – आरंभ, इत्यादि।
6. **उपचार** – इलाज, उपाय।
7. **अंतर** – हृदय, भेद, फर्क, व्यवधान, अवधि, अवसर।
8. **अंक** – नाटक का सर्ग, परिच्छेदन, नंबर, चिह्न, गोद।
9. **अमर** – ईश्वर, देवता, शाश्वत, आकाश और धरती के मध्य में।
10. **अधर** – होंठ, नीचे, पराजित।
11. **अंबर** – आकाश, कपड़ा
12. **अदृष्ट** – जो देखा न जाए, भाग्य, गुप्त, रहस्य।
13. **अक्षर** – अविनाशी, वर्ण, ईश्वर, आत्मा, आकाश, धर्म, तप।
14. **अब्धि** – सागर, समुद्र।
15. **अज** – ब्रह्म, शिव, बकरा, दशरथ के पिता।
16. **अब्ज** – चंद्रमा, कमल, शंख, कपूर।
17. **अक्ष** – रथ की धुरी, जुआ खेलना, पासा, रेखा, जो दोनों ध्रुवों को मिलाए।
18. **अर्थ** – ऐश्वर्य, धन, हेतु, मतलब, प्रयोजन।

19. **अर्क** – सूर्य, रस, आका का पौधा।

20. **अरुण** – हल्का लाल रंग, सूर्य का सारथी, प्रभात का सूर्य।

21. **अवकाश** – छुट्टी, बीच के आराम का समय, मौका।

22. **अपवाद** – निंदा, किसी नियम का विरोधी।

23. **अभिजात** – पूज्य, उच्च कुल का, सुंदर।

24. **उत्तर** – उत्तर दिशा, जवाब, पीछे।

25. **आम** – (फलों का राजा) फल, साधारण, विख्यात।

26. **और** – तथा, दूसरा, अधिक, योजक शब्द।

27. **कनक** – धतूरा, सोना, गेहूँ।

28. **कर** – हाथ, किरण, हाथी की सूँड़, टैक्स, करना, क्रिया।

29. **कर्ण** – कान, पतवार, कुंती पुत्र कर्ण, त्रिभुज के समकोण के सामने की भुजा।

कल – बीता दिन, आने वाला .....

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

whatsapp- https://wa.link/cptty4 19website-https://bit.ly/reet-level-2-sst-notes

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)	
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

• सन्धि

- **सन्धि का अर्थ होता हैं** - मेल और विलोम - विग्रह ।
- आपसी निकटता के कारण दो वर्णों के मेल से उत्पन्न विकार (परिवर्तन) को सन्धि कहते हैं।

जैसे - हिम + आलय = हिमालय

जगत् + नाथ = जगन्नाथ

निः + धन = निर्धन

सन्धि के भेद

1. स्वर सन्धि
2. व्यन्जन सन्धि
3. विसर्ग सन्धि

1. स्वर सन्धि

परस्पर स्वर का स्वर के साथ मेल होने पर जो विकार उत्पन्न होता है, उसे स्वर सन्धि कहते हैं।

जैसे - देव + आलय = देवालय

रमा + ईश = रमेश

एक + एक = एकैक

यदि + अपि = यद्यपि

भौ + उक = भावुक

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

स्वर सन्धि के भेद –

i. दीर्घ सन्धि
ii. गुण सन्धि
iii. वृद्धि सन्धि
iv. यण संधि
v. अयादि संधि

i. दीर्घ सन्धि –

नियम - यदि ह्रस्व या दीर्घ स्वर [अ इ उ] के बाद समान ह्रस्व या दीर्घ स्वर आए तो दोनों के स्थान पर दीर्घ एकादेश होता है।

जैसे- युग् + अन्तर - युगान्तर

युग् अ + अन्तर

युग् आन्तर

युगान्तर

युग् आन्तर

युग् अ+ अन्तर

युग + अन्तर

जैसे - हिम् + आलय = हिमालय

हिम् आ लय

हिम् अ + आलय

हिम + आलय

जैसे - राम + अवतार = रामावतार

FREE SAMPLE

तथा + अपि = तथापि

मुनि + इन्द्र = मुनीन्द्र (मुनियों में श्रेष्ठ हैं जो - विश्वामित्र)

कपि + ईश = कपीश (हनुमान, सुग्रीव)

लघु + उत्तम = लघूत्तम

लघु + ऊर्मि = लघूर्मि (छोटी लहर)

भू + ऊर्ध्व = भूर्ध्व

सु + उक्ति = सूक्ति

कटु + उक्ति = कटूक्ति

चमू + उत्थान = चमूत्थान (चमू = सेना)

गुरु + उपदेश = गुरूपदेश

वधू + उत्सव = वधूत्सव (वधू - जिसकी शादी की तैयारियां चल रही हो)

विद्या + अर्थी = विद्यार्थी

विद्या + आलय = विद्यालय

पंच + अमृत = पंचामृत

स्व + अधीन = स्वाधीन

दैत्य + अरि = दैत्यारि (देवता इन्द्र विष्णु)

सत्य + अर्थी = सत्यार्थी

प्रेरणा + आस्पद = प्रेरणास्पद

प्र + आंगन = प्रांगण

शश + अंक = शशांक (चन्द्रमा) [शश = खरगोश, अंकः गोद]

महती + इच्छा = महतीच्छा

फणी + ईश = फणीश (शेषनाग)

रजनी + ईश = रजनीश (चन्द्रमा)

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

दीर्घ सन्धि की पहचान –

दीर्घ सन्धि युक्त शब्दों में अधिकांशतः आ, ई, ऊ की मात्राएँ आती है और इनका विच्छेद इन्हीं मात्राओं से किया जाता है।

शक + अन्धु = शकन्धु
कर्क + अन्धु = कर्कन्धु

पितृ + ऋण = पितृण अपवाद

मातृ + ऋण = मातृण

विश्व + मित्र = विश्वामित्र

मूसल + धार = मूसलाधार

मनम् + ईषा = मनीषा अपवाद

युवत् + अवस्था = युवावस्था

(ii) गुण सन्धि-

नियम (1) - यदि अ/आ के बाद इ/ई आए तो दोनों के स्थान पर 'ए' हो जाता है अर्थात्

अ/आ + इ/ई = ए = ऐ

नियम (2) - यदि अ/आ के बाद उ/ऊ आए तो दोनों के स्थान पर 'ओ' हो .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक**

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2 के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

• विशेषण और विशेष्य

किसी संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं, अर्थात् जो विशेषता बताने वाले शब्द होते हैं, विशेषण कहलाते हैं ।

जैसे - नील गगन, काली गाय, सुन्दर बच्चा, अमीर आदमी, दयालु औरत, कश्मीरी सेब, होशियार लड़का इत्यादि ।

विशेष्य -

विशेषण के द्वारा जिसकी विशेषता बतलाई जाती हैं, विशेष्य कहलाते हैं ।

जैसे - गगन, गाय, बच्चा, आदमी, औरत, सेब, लड़का इत्यादि ।

प्रविशेषण - विशेषण की भी विशेषता बताने वाले शब्द, प्रविशेषण कहलाते हैं ।

जैसे –

वाक्य	प्रविशेषण	विशेषण	विशेष्य
अत्यन्त नीला गगन	अत्यन्त	नीला	गगन
बहुत मोटा आदमी	बहुत	मोटा	आदमी

विशेषण के दो भेदः-

1. उद्देश्य विशेषण
2. विधेय विशेषण

1. **उद्देश्य विशेषण**:- विशेष्य से पहले प्रयुक्त होने वाले विशेषणों को उद्देश्य / विशेष्य विशेषण कहते हैं ।

जैसे लाल टमाटर, हरा धनिया, नीहारिका सुंदर लड़की हैं ।

FREE SAMPLE

2. **<u>विधेय विशेषणः- विशेष्य</u>** / संज्ञा शब्दों के बाद प्रयुक्त होने वाला विशेषण विधेय/विशेषण कहलाता हैं।

जैसे -

- वह लड़की सुंदर हैं।
- यह गाय काली हैं।
- वे फल मीठे हैं।
- यह पानी शीतल हैं।

विशेषण के भेदः- पाँच भेद

1. गुणवाचक विशेषण
2. संख्यावाचक विशेषण
3. परिमाणवाचक विशेषण
4. सार्वनामिक/संकेतवाचक/निर्देशवाचक विशेषण
5. व्यक्तिवाचक विशेषण

<u>1. गुणवाचक विशेषण -</u>

वे विशेषण शब्द जो किसी संज्ञा या सर्वनाम के रूप, रंग, आकार, स्वभाव, गुण, दोष, अवस्था, दशा, दिशा इत्यादि का बोध कराते हैं। गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे - सुन्दर लड़का, काला कोट, कमजोर बच्चा, झगडालु औरत, ईमानदार आदमी, मोटा लड़का, गरीब आदमी, पूर्वी मकान इत्यादि।

<u>2. संख्यावाचक विशेषण -</u>

वे विशेषण शब्द जो किसी संज्ञा/सर्वनाम की निश्चित या अनिश्चित संख्या का बोध कराते हैं, संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

जैसे - एक लड़का, दो कबूतर, तीन गायें, कुछ लड़कियाँ, बहुत बकरियाँ कुछ पुस्तकें, ज्यादा पंखे इत्यादि ।

संख्यावाचक विशेषण के दो भेद होते हैं –

1. **निश्चित संख्यावावक विशेषण**
2. **अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण**

1. **<u>निश्चित संख्यावाचक विशेषण</u>** - वे विशेषण शब्द जो किसी गणनीय संज्ञा की निश्चितता का बोध कराते हैं, निश्चित संख्यावाचक विशेषण शब्द कहलाते हैं ।

जैसे - एक आम, दो केले, तीन घड़ियाँ , चार कुर्सियाँ, पाँच कुत्ते इत्यादि

निश्चित संख्यावाचक विशेषण के उपभेद -

1. गणनावाचक - एक, दो, तीन, चार .....
2. क्रमवाचक - पहला, दूसरा, तीसरा .....
3. आवृत्ति वाचक - दुगुना, तिगुना, चौगुना .....
4. समुदाय/समूहवाचक - दोनों, तीनों, चारों.....
5. प्रत्येक सूचक - प्रत्येक लड़का, प्रत्येक लड़की, हर घड़ी, हर माह, हर दिन इत्यादि ।

1. अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण - वे विशेषण शब्द जो किसी अनिश्ति संख्या का बोध कराते हैं, अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं - जैसे - थोड़े, बहुत, कम, ज्यादा, थोड़े लड़के, ज्यादा लड़कियाँ, बहुत गायें, कम बकरियाँ, कुछ कुर्सिया इत्यादि ।

2. परिमाण वाचक विशेषण - वे विशेषण शब्द जो किसी निश्चित या अनिश्चित नाप,माप,तौल इत्यादि का बोध कराते हैं, परिणाम-वाचक विशेषण कहलाते हैं, जैसे - दो मीटर कपड़ा, तीन लीटर दूध, पाँच किलो आटा, थोड़ा घी, ज्यादा पानी इत्यादि ।

परिमाण वाचक विशेषण के दो उपभेद होते हैं -

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

1. निश्चित परिमाणवाचक

2. अनिश्चित परिमाणवाचक

1. निश्चित परिमाणवाचक विशेषण - वे विशेषण शब्द जो किसी नाप, माप, तौल इत्यादि की निश्चितता का बोध कराते हैं, निश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं। जैसे - एक मीटर रस्सी, दो लीटर पानी, तीन किलो सेब, पाँच किलो चावल।

2. **अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण** - वे विशेषण शब्द जो किसी नाप, माप, तौल इत्यादि की अनिश्चितता का बोध कराते हैं, अनिश्चित .....

नोट – प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें**, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)	
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 of 160	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

• शब्द शुद्धि

भाषा में शुद्ध उच्चारण के साथ शुद्ध वर्तनी का भी महत्त्व होता है। अशुद्ध वर्तनी से भाषा का सौन्दर्य तो नष्ट होता ही है, कहीं कहीं तो अर्थ का अनर्थ हो जाता है। वर्तनी अशुद्धि के कई कारण हो सकते हैं यथा-

I. स्वरागम के कारण :- निम्न शब्दों में किसी वर्ण के साथ अनावश्यक स्वर प्रयुक्त हो जाने से वर्तनी अशुद्ध हो जाती है अतः उसे हटा कर वर्तनी शुद्ध की जा सकती है।

अशुद्ध वर्तनी	=	**शुद्ध वर्तनी**
अत्याधिक	=	अत्यधिक
आधीन	=	अधीन
अभ्यार्थी	=	अभ्यर्थी
अनाधिकार	=	अनधिकार
अहिल्या	=	अहल्या
दुरावस्था	=	दुरवस्था
शमशान	=	श्मशान
गत्यावरोध	=	गत्यवरोध
प्रदर्शिनी	=	प्रदर्शनी
द्वारिका	=	द्वारका
वापिस	=	वापस
घुटना	=	घुटना
व्यौपारी	=	व्यापारी
भागीरथ	=	भगीरथ

2. स्वरलोप के कारण : उचित स्वर के अभाव के कारण

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

आखरी	=	आखिरी
आप्लवित	=	आप्लावित
कुटम्ब	=	कुटुम्ब
दुगनी	=	दुगुनी
जलूस	=	जुलूस
बदाम	=	बादाम
मैथली	=	मैथिली
विपन्नवस्था	=	विपन्नावस्था
अगामी	=	आगामी
सतरंगनी	=	सतरंगिनी
गोरव	=	गौरव
युधिष्ठर	=	युधिष्ठिर
महात्म्य	=	माहात्म्य
अत्र्यक्षरी	=	अत्र्याक्षरी
आजीवका	=	आजीविका
फिटकरी	=	फिटकिरी
कुमुदनी	=	कुमुदिनी
विरहणी	=	विरहिणी
स्वस्थ्य	=	स्वास्थ्य
वाहनी	=	वाहिनी
वयवृद्ध	=	वयोवृद्ध
पारितोषक	=	पारितोषिक
मुकट	=	मुकुट
भगीरथी	=	भागीरथी

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अजानु	=	आजानु
अष्टवक्र	=	अष्टावक्र
उन्नतशील	=	उन्नतिशील
जमाता	=	जामाता
अतिश्योक्ति	=	अतिशयोक्ति
नृत्यंगना	=	नृत्यांगना
मुकन्द	=	मुकुन्द
लोकिक	=	लौकिक

3. व्यंजनागम के कारण : शब्द में अनावश्यक व्यंजन के प्रयुक्त हो जाने से भी वर्तनी अशुद्ध हो जाती है।

अवन्नति	=	अवनति
प्रज्वलित	=	प्रज्वलित
बुद्धवार	=	बुधवार
अन्तर्ध्यान	=	अन्तर्धान
सदृश्य	=	सदृश
पूज्यनीय	=	पूजनीय
निश्च्छल	=	निश्छल
श्राप	=	शाप
समुन्द्र	=	समुद्र
निद्रित	=	निन्द्रित
केन्द्रीयकरण	=	केन्द्रीकरण .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट *– प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 2

अपठित गद्यांश

गद्यांश – I

निम्न गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों में सबसे उचित विकल्प चुनिए:

कोई भी समाज शून्य में जीवित नहीं रह सकता। उसे अपने लोगों, अपने पशुओं, अपनी जमीन, अपने पेड़-पौधों, अपने कुएँ, अपने तालाबों, अपने खेतों के लिए कोई-न-कोई ऐसी व्यवस्था बनानी पड़ती है, जो समयसिद्ध और स्वयंसिद्ध हो । काल के किसी खण्ड विशेष में समाज के सभी सदस्यों के साथ मिल ऽ-जुलकर, पाल-पोसकर बड़ा करते हैं और मजबूत बनाते हैं। अपने ऊपर खुद लगाया हुआ यह अनुशासन एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को सौंपा जाता है।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

- **निम्न में तत्सम शब्द हैं**

(a) जमीन (b) शून्य

(c) खुद (d) मजबूत उत्तरः- (B)

- **निम्न में विदेशी शब्द हैं –**

(A) पेड़ (B) खण्ड

(C) तालाब (D) खुद उत्तरः - (D)

- **जमीन का पर्यायवाची नहीं है –**

(A) पृथ्वी (B) धरती

(C) विरुप (D) धरणी उत्तर : - (C)

गद्यांश – 2

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्न के उत्तर दीजिएः

कुसुम शाम को मंदिर में दर्शन करते हुए घर गई। वह देर तक गीत गाती रही। उसे समय का पता ही न था । आधी रात बीत गई। उसने सितार बजाई । फिर भी उसका मन न लगा। उसने टहलना शुरू किया, रात किसी तरह कटी । सुबह उसकी आँखें नींद से बोझिल हो रही थीं। वह देर तक सोती रही। माँ ने आकर जगाया और कलेवा करने के लिए कहा। जैसे तैसे वह उठी, नहाई और साइकिल से कॉलेज के लिए चली। कॉलेज में उसकी सखी ने घी के परोठे खिलाये । कुसुम के संगीत प्रेम की कॉलेज में छात्र ही नहीं, परिवार में मामा, चाचा, नाना और भाई-बहन भी प्रशंसा करते हैं।

- **इनमें से कौन सा शब्द स्त्रीलिंग नहीं है ?**

  (A) शाम (B) रात

  (C) कलेवा (D) आँखें उत्तर :- (C)

- **'कुसुम शाम को घर गई। इस वाक्य में कौन सा काल है ?**

  (A) सामान्य भूत

  (B) आसन्न भूत

  (C) पूर्ण भूत

  (D) संदिग्ध भूत उत्तरः- (A)

- **कारक चिह्न के प्रयोग के बावजूद इनमें से किस शब्द का बहुवचन नहीं बनता ?**

(A) घी (B) गीत

(C) घर (D) सखी उत्तरः- (A)

- **इनमें से किस शब्द का लिंग नहीं बदलता ?**

(A) चाचा (B) छात्र

(C) साइकिल (D) मामा उत्तरः - (C)

इनमें से कौन – सा शब्द सदैव बहुवचन में .....

FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)	
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

• लिंग

लिंग शब्द का अर्थ होता हैं चिन्ह या पहचान । व्याकरण के अन्तर्गत लिंग उसे कहते हैं, जिसके द्वारा किसी विकारी शब्द के स्त्री या पुरुष जाति का होने का बोध होता हैं ।

प्रकार: हिन्दी भाषा में लिंग दो प्रकार के होते हैं -

i. पुल्लिंग
ii. स्त्री लिंग

i. **पुल्लिंग:** जिसके द्वारा किसी विकारी शब्द की पुरुष जाति का बोध होता हैं, उसे पुल्लिंग कहते हैं ।

जैसे - गोविन्द, अध्यापक, मेरा, काला , जाता ।

ii. **स्त्रीलिंग:** जिसके द्वारा किसी विकारी शब्द की स्त्री जाति का बोध होता हैं, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं ।

जैसे - सीता, अध्यापिका, मेरी काली, जाती।

लिंग की पहचान: लिंग की पहचान शब्दों के व्यवहार से होती हैं । कुछ शब्द सदा पुल्लिंग रहते हैं तो कुछ शब्द सदा स्त्रीलिंग । कुछ शब्द परम्परा के कारण पुल्लिंग या स्त्री लिंग में प्रयुक्त होते हैं ।

I. पुल्लिंग संज्ञा शब्दों की पहचान

i. प्राणीवाचक पुल्लिंग संज्ञाएं: पुरुष, आदमी, मनुष्य, लड़का, शेर, चीता, हाथी, कुत्ता, घोड़ा, बैल, बन्दर, पशु, खरगोश, गैंण्डा, मेंढक, साँप, मच्छर, तोता, बाज, मोर, कबूतर, कौवा, उल्लू, खटमल, कछुआ ।
ii. अप्राणीवाचक पुल्लिंग संज्ञाएं:- निम्न संज्ञाएं सदैव पुल्लिंग में ही प्रयुक्त होती हैं

FREE SAMPLE

(अ) पर्वतों के नामः हिमालय, विन्ध्याचल, अरावली, कैलाश, आल्पस ।

(आ) महीनों के नामः भारतीय महीनों तथा अंग्रेजी महीनों के नाम

जैसे - चैत, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, मार्च

(इ) दिन या वारों के नामः सोमवार, मंगलवार, शनिवार ।

(ई) देशों के नामः भारत, अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस, इण्डोनेशिया, (अपवाद) श्रीलंका (स्त्रीलिंग)

(उ) ग्रहों के नामः सूर्य, चन्द्रमा, मंगल, शुक्र, राहु, केतु, अरूण, वरूण, यम, अपवाद (पृथ्वी)

(ऊ) धातुओं के नामः सोना, तांबा, पीतल, लोहा, अपवाद (चाँदी)

(ए) वृक्षों के नामः नीम, बरगद, बबूल, आम, पीपल, अशोक, अपवाद (इमली)

(ऐ) अनाजों के नामः चावल, गेहूं, बाजरा, जौ, अपवाद (ज्वार)

(ओ) द्रव प्रदार्थों के नामः तेल, घी, दूध, पर्वत , मक्खन, पानी, अपवाद, (लस्सी, चाय)

(औ) समय सूचक नामः क्षण, सेकण्ड, मिनट, घण्टा, दिन, सप्ताह, पक्ष, माह, अपवाद (रात, सांय, सन्ध्या, दोपहर,)

(क) वर्णमाला के वर्णः स्वर तथा क से ह तक व्यंजन, अपवाद (इ, ई, ऋ)

(ख) समुद्रों के नामः हिन्द महासागर, प्रशान्त महासागर

(ग) मूल्यवान पत्थर, रत्नों के नाम,ः हीरा, पुखराज, नीलम, पन्ना, मोती, माणिक्य, अपवाद (मणि, लाल)

(घ) शरीर के अंगों के नामः सिर, बाल, नाक, कान, दाँत, गाल, हाथ, पैर, ओंठ, मुंह, अपवाद (गर्दन, जीभ, अंगुली)

(च) देवताओं के नामः इन्द्र, यम, वरूण, ब्रह्मा, विष्णु, महेश

FREE SAMPLE

(छ) आपा, आव, आवा, आर, अ, अन, ईय, एरा, त्व, दान, पन, य, खाना वाला आदि प्रत्यय युक्त शब्द । यथा - बुढ़ापा, चुनाव, पहनावा, सुनार, न्याय, दर्शन, पूजनीय, चचेरा, देवत्व, फूलदान, बचपन, सौन्दर्य, डाकखाना, दूधवाला ।

(ज) ख,ज,न,त्र के अन्तवाले शब्दः जैसे सुख, जलज, नयन, शस्त्र ।

2. <u>स्त्रीलिंग संज्ञा शब्दों की पहचानः</u>

(क) तिथियों के नामः प्रथमा, द्वितीया, एकादशी, अमावस्या, पूर्णिमा ।

(ख) भाषाओं के नामः हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, जापानी, मलयालम ।

(ग) लिपियों के नामः देवनागरी, रोमन, गुरूमुखी, अरबी, फारसी ।

(घ) बोलियों के नामः ब्रज, भोजपुरी, हरियाणवी, अवधी ।

(च) नदियों के नामः गंगा, गोदावरी, व्यास, ब्रह्मपुत्र ।

(छ) नक्षत्रों के नामः रोहिणी, अश्विनी, भरणी ।

(ज) देवियों के नामः दुर्गा, रमा, उमा ।

(अ) महिलाओं के नामः आशा, शबनम, रजिया, सीता ।

(ट) लताओं के नामः अमर बेल, मालती, तोरई ।

(ठ) आ, आई, आइन, आनी, आवट, आहट, इया, ई, त, ता, ति, आदि प्रत्यय युक्त शब्द ।

यथा - छात्रा, मिठाई, ठकुराइन, नौकरानी, सजावट, घबराहट, गुड़िया, गरीबी, ताकत, मानवता, नीति ।

<u>लिंग परिवर्तन</u>

पुल्लिंग से स्त्रीलिंग बनाने के .....

FREE SAMPLE

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

• मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

मुहावरा :- मुहावरा बात कहने की एक शैली है। यह अरबी भाषा के 'मुहावर' शब्द से बना है, जिसका शाब्दिक अर्थ है- अभ्यास करना या बातचीत "लक्षणा व व्यंजना द्वारा वह शुद्ध वाक्य जो किसी बोली जाने वाली भाषा में प्रचलित होकर रुढ़ हो गया हो तथा प्रत्यक्ष अर्थ के बजाए सांकेतिक अर्थ देता हो ।"

"मुहावरा" कहलाता है, जैसे खिचड़ी पकाना, लाठी खाना, नाम धरना आदि ।

मुहावरों की निम्न विशेषता में होती हैं :

1. मुहावरों का शाब्दिक अर्थ नहीं, बल्कि (सांकेतिक) अवबोधक अर्थ लिया जाता है । जैसे 'खिचड़ी पकाना' इसका शाब्दिक अर्थ होगा खिचड़ी बनाना, परन्तु मुहावरे के रूप में सांकेतिक अर्थ होगा । षड्यंत्र करना ।
2. मुहावरे का अर्थ प्रसंग के अनुसार होता है, जैसे 'लड़ाई में खेत आना' इसका अर्थ है युद्ध में शहीद हो जाना। न कि लड़ाई के स्थान पर मिलने खेत पर चले आना।
3. मुहावरे का मूल रूप कभी नहीं बदलता अर्थात् मुहावरे का स्वरूप स्थिर होता है, अन्यथा मुहावरा नष्ट हो जाता। जैसे 'कमर टूटना' एक मुहावरा है इसके स्थान पर 'कति भंग' शब्द का प्रयोग नहीं किया जा सकता ।
4. हिन्दी के अधिकांश मुहावरों का सीधा संबंध शरीर के विभिन्न अंगो यथा - मुँह, कान, नाक हाथ, पाँव आँख, सिर आदि से होता है, जैसे मुँह की खाना, कान खड़े होना।
5. मुहावरा भाषा की समृद्धि तथा सभ्यता के विकास का मापक होता है।

मुहावरों का महत्त्व

(i) भाषा को सजीव बनाते हैं।

(ii) कथन को प्राणयुक्त एवं प्रभावपूर्ण बनाते हैं।

FREE SAMPLE

(iii) भाषा में सरलता एवं सरसता उत्पन्न करते हैं।

(iv) भाषा में प्रवाह व चमत्कार उत्पन्न करते हैं।

(v) भाषा को समृद्ध बनाते हैं।

मुहावरों के प्रयोग में सावधानियाँ

1. पहले मुहावरा फिर उसका अर्थ तथा अगली लाइन से वाक्य प्रयोग करना चाहिए, जैसे

   बात का धनी - वायदे का पक्का

   मैं जानता हूँ कि वह बात का पनी है।

2. मुहावरे का वाक्य प्रयोग करते समय तुलना नहीं करनी चाहिए, जैसे- के सामान, की तरह, के पैसा आदि शब्दों का प्रयोग नहीं ।

   यथा - अँधे की लकड़ी - एक मात्र सहारा

   अपने वृद्ध माता पिता का एक मात्र संतान मोहन उनके लिए अँधे की लकड़ी के समान हैं।

3. मुहावरों को कहीं भी डाल देना गलत है, बल्कि कारण बताते हुए कार्य बताना है।

4. घिसे- पिटे वाक्य प्रयोग से बचना चाहिए । (पाक, चीन x)

5. वाक्य प्रयोग का संदर्भ यथा संभव छोटा रखना चाहिए।

6. वाक्य प्रयोग में मुहावरे का प्रयोग करना होता है न कि उसके अर्थ का।

7. मुहावरे को एक वाक्य में लिखना चाहिए, जैसे:

   टेढ़ी खीर होना - कठिन काम होना ।

   अपने देश में भ्रष्टाचार की जड़े इतनी गहरी हो गई हैं कि इसे खत्म करना टेढ़ी खीर हो गई है।

लोकोक्तियाँ / कहावतें

लोकोक्ति का अर्थ है 'लोक समाज में कही जाने वाली उक्तियाँ' तथा कहावत का अर्थ है 'कही जाने वाली बात ।'

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES

ऐसा वाक्य जो चमत्कृत ढंग से संक्षेप में, किसी सत्य या नीति का आशय, सशक्त रूप से व्यक्त करे तथा अधिक समय तक प्रयोग में आकर जनजीवन में प्रचलित हो गया हो लोकोक्ति/ कहावत कहलाती है।

लोकोक्तियों / कहावतों की निम्न विशेषताए होती हैं :

1. लोकोक्तियाँ / कहावतें प्रत्यक्ष अर्थ नहीं बल्कि सांकेतिक अर्थ देते हैं।
2. लोकोक्तियाँ / कहावतों में जीवन के गहरे तथा मूल्यावान अनुभव छिपे रहते हैं, इसलिये इन्हें ज्ञान की पितरियाँ कहा जाता है।
3. लोकोक्तियाँ / कहावतें एक व्यक्ति से सम्बन्धित न होकर 'जन साधारण की धरोहरें' होती हैं ।

लोकोक्तियों / कहावतों का महत्व

1. बोली को अधिक प्रमाणिक तथा जोरदार बनाती है।
2. भाषा स्पष्ट तथा जीवन्त से उड़ता है।
3. भाषा को सुन्दर बनाने के साथ-साथ जीवन को सीख भी देते हैं ।
4. इनमें गहरे व मूल्यवान अनुभव छिपे रहते हैं।
5. अलंकार शास्त्र में 'लोकोक्ति अलंकार' नाम से प्रसिद्ध ।

लोकोक्तियों/ कहावतों के प्रयोग में सावधानियाँ :

(1) कहावतों का वाक्य प्रयोग $2\frac{1}{2} - 3$ लाइन में देना चाहिए ।

(2) पहले प्रकरण देना है फिर कहावत । प्रकरण ऐसा होना चाहिए जो कहावत सिद्ध करे ।

(3) प्रकरण समाप्त होने पर - ठीक ही कहा गया है - यह तो वही बात हुई - यहाँ यह बात चरितार्थ होती है

आदि शब्दों का प्रयोग करते हुए कहावतों को जोड़ना चाहिए ।

FREE SAMPLE

मुहावरा तथा लोकोक्ति की पहचान :

(i) 95% मुहावरों के अन्त में 'ना' आता है।

(ii) मुहावरों के अन्त में क्रिया होती है।

(iii) 95% मुहावरों का सम्बन्ध शरीर के विभिन्न अंगों से होता है।

(iv) मुहावरे छोटे होते हैं, लोकोक्तियाँ बड़ी।

(v) लोकोक्तियों । कहावतों में कोई न कोई शिक्षा होती है।

मुहावरा तथा लोकोक्ति में अन्तर

क्र. स.	मुहावरा	लोकोक्ति
1.	मुहावरे वाक्यांश हैं	लोकोक्ति पूर्ण वाक्य
2.	मुहावरों का स्वतंत्र प्रयोग नहीं हो सकता ।	कहावतों का स्वतंत्रत प्रयोग होता है।
3.	मुहावरों का अर्थ बिना वाक्य प्रयोग के स्पष्ट नहीं होता	लोकोक्तियाँ अपने आप में अर्थ पूर्ण होती हैं।
4.	मुहावरा एक पक्षीय होता है अर्थात भाषा को सुन्दर बनाता है	लोकोक्तियाँ भाषा को सुन्दर बनाने के साथ-साथ सीख भी देती हैं ।
5.	मुहावरा छोटा होता है तथा भाव को उद्दीप्त करता है।	लोकोक्तियाँ बड़ी होती है तथा स्वयं में भावपूर्ण होती है।
6.	मुहावरों की क्रिया काल, वचन, तथा लिंग के अनुसार बदल जाती है।	लोकोक्तियों पर काल, वचन, लिंग का कोई प्रभाव नहीं पड़ता अर्थात जस की तस रहती है।
7.	मुहावरा (भाषा) पर आधारित होता	लोकोक्ति बोली पर आधारित होती है।

FREE SAMPLE

हैं ।

४.	मुहावरों का प्रयोग अपेक्षाकृत (पढ़ा-लिखा) समाज अधिक करता हैं ।	लोकोक्तियों का प्रयोग अपेक्षाकृत ग्रामीण समाज में अधिक होता हैं।
९.	ये मुख्यतः गद्य रूप में होते हैं तथा सामान्यतः मौखिक साथ – साथ लिखित रूप में प्रयुक्त होतें हैं।	ये मुख्यतः पद्य रूप में होते हैं तथा सामान्यतः मौखिक रूप में अधिक प्रयुक्त होते हैं।
१०.	मुहावरों के उद्भव व विकास की दिशा ऊपर से नीचे की ओर होती हैं।	लोकोक्तियों के उद्भव व विकास की दिशा नीचे से उपर की होती हैं।

अपना उल्लू सीधा करना	स्वार्थ सिद्ध करना
अपनी खिचड़ी अलग पकाना=	सबसे अलग रहन
अपने मुँह मिया मिट्ठू बनना=	अपनी प्रशंसा स्वयं करना
अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना =	स्वयं को हाँनि पहुँचाना
अपने पैरों पर खड़े होना	आत्मनिर्भर होना
अक्ल पर पत्थर पड़ना=	बुद्धि भ्रष्ट होना
अक्ल के पीछे लट्ठ लेकर फिरना	मूर्खता प्रदर्शित करना

FREE SAMPLE

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 4

- **भाषा शिक्षण, भाषा शिक्षण के उपगम, भाषायी दक्षता का विकास**

शिक्षण विधियाँ -

शिक्षण एक उद्देश्यपूर्ण प्रक्रिया है जिसका क्रियान्वयन पूर्व में निर्धारित उद्देश्यों को पाने के लिए किया जाता है। शिक्षक पूर्व में निर्धारित किए गए उद्देश्यों की अधिकतम प्राप्ति के लिए व अपनी विषय - वस्तु की प्रदर्शन को अधिक से अधिक प्रभावी बनाने के लिए शिक्षण विधियों का प्रयोग करता है।

इस प्रकार शिक्षण विधियाँ शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया को शक्तिशाली बनाने वाले साधन है- जॉन डीवी के अनुसार "शिक्षण पद्धति वह विधि है जिसके द्वारा इस पठन सामग्री को व्यवस्थित करके परिणाम को प्राप्त करते है।"

वैस्ले ने कहा की "शिक्षण पद्धति शिक्षक द्वारा संचालित वह क्रिया है जिससे विद्यार्थियों को बोध व ज्ञान की प्राप्ति होती है।"

शिक्षण के संदर्भ में डेविस के कथन भी महत्वपूर्ण है- "विद्यार्थियों के कक्ष में जाने से पहले तैयारी कर लेनी चाहिए, क्योंकि शिक्षक की समृद्धि हेतु कोई बात इतनी बाधक नहीं है जितनी की शिक्षण की अपूर्ण तैयारी।"

एलन जैक्सन – एक शिक्षक को अपने जिम्मेदारी को निभाने हेतु विभिन्न प्रकार की शिक्षण गतिविधियों को अपने विद्यार्थियों के साथ मिलकर सम्पन्न करनी होती हैं इन गतिविधियों को सम्पन्न करने के लिए विधिवत नियोजन तथा कार्यान्वयन सम्बन्धी उचित प्रक्रियों से गुजरना होता है। यह सब करने के लिए शिक्षक को अपने शिक्षण कार्य को कुछ निश्चित सोपानों या अवस्थाओं में व्यवस्थित करके आगे बढ़ाना होता है।

FREE SAMPLE

शिक्षण की एलन जैक्सन ने निम्न तीन अवस्थाएँ बताई हैं

1. शिक्षण पूर्व अवस्था - तैयारी या नियोजन की अवस्था
2. शिक्षणगत अवस्था- क्रियान्वयन या शिक्षण की अवस्था
3. शिक्षण उपरान्त अवस्था- पूनरावृत्ति या मूल्यांकन की अवस्था

भाषा शिक्षण की विधियाँ

भाषा शिक्षण एक अत्यन्त चुनौतीपूर्ण क्रिया है लेकिन उसके साथ – साथ यह आनंददायी क्रिया भी है। भाषा सीखने के मनोवैज्ञानिक चरण इस प्रकार है -

1. जिज्ञासा
2. प्रयत्न या तत्परता
3. अनुकरण
4. अभ्यास

शिक्षण में 'विधियाँ' शब्द का उपयोग पढ़ाने की उन प्रक्रियाओं के लिए किया जाता है जिनकी सफलतापूर्ण समाप्ति के परिणामस्वरूप विद्यार्थी कुछ सीखता है या जिनके कारण शिक्षण प्रभावशाली होता है। 'विधियाँ' शिक्षक की अनेकों प्रक्रियाओं का एक समूह है। 'विधियाँ' क्रिया नहीं एक प्रक्रिया है।

श्रीमती एस. के. कोचर ने अपनी पुस्तक 'मेथड्स एण्ड टेकनीक्स ऑफ टीचिंग' में शिक्षण- विधियों के महत्व की अत्यन्त उत्तम व्याख्या की है। वे अपने लेखन में लिखती हैं," जिस प्रकार एक सैनिक को युद्ध के विभिन्न हथियारों का ज्ञान होना आवश्यक है उसी प्रकार एक शिक्षक को भी शिक्षण की विभिन्न विधियों का ज्ञान होना आवश्यक है। किस समय कौन सी विधि का प्रयोग किया जाए, यह उनकी निर्णय शक्ति पर निर्भर है। " इस प्रकार शिक्षण में शिक्षण विधियों का अत्यधिक महत्व है शिक्षण विधियों का ज्ञान सभी शिक्षकों को होना आवश्यक है। शिक्षण विधियों शिक्षा के उद्देश्यों तथा मूल्यों से घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित है और शिक्षा प्राप्त करने में सहायक होती है।

FREE SAMPLE

उत्तम शिक्षण विधि की विशेषताएँ -

शिक्षण - कला में उपयोग में लायी जाने वाली उत्तम विधि में निम्न विशेषताएँ होती है -

- विधियाँ ऐसी हों जो विद्यार्थी को विषय - वस्तु के प्रति प्रेरित करे ।
- विधियाँ ऐसी हों जो विद्यार्थियों को शिक्षा का सक्रिय सदस्य बनाए । विधियों में आवश्यक स्थानों पर विद्यार्थी द्वारा सम्पादन करने के लिए पर्याप्त क्रियाओं का होना आवश्यक है ।
- विधियाँ सुनिश्चित एवं उपयोग करने योग्य हो ।
- उत्तम विधियाँ कलात्मक व व्यक्तिगत होती हैं। वे शिक्षक को वांछित एवं अवांछित का ज्ञान कराती हैं ।
- उत्तम विधियाँ विद्यार्थियों में वांछित बदलाव लाती हैं और उनमें अच्छी आदतों एवं बातों का निर्माण करती हैं ।
- उत्तम-शिक्षण विधियाँ वे हैं जो पूर्व - निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक हो । शिक्षण विधि, शिक्षण उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक होनी चाहिए।
- शिक्षण विधि छात्रों में वैज्ञानिक परिपेक्ष्य उत्पन्न करने वाली तथा वैज्ञानिक विधि से कार्य करने का प्रशिक्षण देने वाली हो ।
- शिक्षण विधि मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों का पालन करने वाली हो अर्थात् छात्र की योग्यता, स्तर, , रुचि तथा आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाली हो ।
- सजीव वातावरण बनाने में सहायता करता हो जो विद्यार्थियों को अन्त : क्रिया के अधिकतम अवसर देने वाली व उत्साहवर्धन वाली हो ।
- करके सीखने के सिद्धान्त अर्थात् क्रियाशीलता पर आधारित होनी चाहिए।
- कम से कम समय लेने वाली तथा प्रभावी हो ।
- शिक्षण विधि में व्यावहारिकता होनी चाहिए अर्थात् उसे सरलता से उपयोग में लिया जा सके। शिक्षण विधि को गतिशीलपूर्ण होना चाहिए न कि स्थिर ।
- वह विद्यार्थियों में मानसिक गुणों के साथ - साथ शारीरिक, सामाजिक व संवेगात्मक गुणों का विकास करने वाली अर्थात् सर्वांगीण विकास के अवसर देनी वाली हो ।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- *विधि शिक्षण सहायक सामग्रियों के माध्यम से सरल व स्पष्टता लाने वाली हो जिससे शिक्षक व विद्यार्थी दोनों ईमानदारी व आत्मविश्वास से शिक्षण प्रक्रिया में भाग लें तथा यह विद्यार्थियों को रटने से विधियाँ ऐसी हों करने वाली हो ।*
- *उत्तम विधियाँ विद्यार्थियों में मानसिक तर्क, निर्णय तथा विश्लेषण-शक्ति का विकास करती हैं तथा व्यक्तिगत विभिन्नताओं को पूर्ण मान्यता प्रदान करती हैं।*

अनुकरण विधि

सामान्यतः अनुकरण विधि का प्रयोग लिखित अनुकरण, उच्चारण अनुकरण एवं रचना अनुकरण के रूप में किया जाता है ।

➢ *लिखित अनुकरण :- जब छात्र के द्वारा शिक्षक के द्वारा लिखित कार्यों का अनुकरण किया जाता है, उसे लिखित अनुकरण कहा जाता है, जिसके निम्न प्रकार हैं :*

I. रूप-रेखा अनुकरण :- इसके अन्तर्गत शिक्षक के द्वारा अक्षरों व वर्णों को लिखा जाता है, जिनका अनुकरण करते हुए छात्र उन्हीं आकृतियों .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

अध्याय – 5

भाषा शिक्षण के प्रमुख कौशल

भाषा का अर्थ -

भाषा शब्द संस्कृत भाषा की भाष धातु से बना है जिसका अर्थ है - 'बोलना या कहना' । इस प्रकार भाषा वह माध्यम है जिसके द्वारा व्यक्ति अपनी मनोदशा, भावों व विचारों को प्रकट करता है ।

प्लेटो ने इन शब्दों में भाषा के अर्थ को स्पष्ट किया हैं-' मनुष्य की आन्तरिक मनोदशा या वैचारिक शक्ति जो ध्वन्यात्मक रूप में होटो के माध्यम से प्रकट होती है उसे भाषा कहते है ।

भाषा शिक्षण के उद्देश्यः

भाषा सहित सभी विषयों के शिक्षण सम्बन्धित पूर्व निर्धारित उद्देश्य होते हैं, जिनकी अधिकतम प्राप्ति हेतु शैक्षणिक क्रियाओं का प्रभावी संगठन एवं क्रियान्वयन किया जाता है।

भाषा शिक्षण के सामान्य उद्देश्य :

शिक्षण के उद्देश्यों का वर्गीकरण सामान्य (विषय सम्बन्धी) तथा विशिष्ट (स्तरानुसार) भागों में किया जाता है, जो इस प्रकार है

सामान्य उद्देश्य :

- भाषा शिक्षण के सामान्य उद्देश्यों के अन्तर्गत निम्न बालकों में निम्न क्षमताओं के विकास पर बल दिया जाता है -
- बालकों में भाषा सम्बन्धी मौखिक एवं लेखन क्षमताओं का विकास करना ।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- वैचारिक अभिव्यक्ति हेतु लिखित एवं मौखिक क्षमताओं का विकास करना ।
- बालकों में भाषा के प्रति रुचि जाग्रत करना ।
- बालकों में भाषा में प्रति उचित दृष्टिकोण एवं आदतों का विकास करना।

भाषा के दैनिक व्यवहारों में भाषा के कौशल की काम आते हैं। साहित्य की रचना भी कौशलों में ही होती है। भाषा के निम्न चार कौशल माने जाते हैं

(।) श्रवण कौशल (सुनना)

(2) कथन (बोलना) कौशल (अर्थात् मौखिक अभिव्यक्ति कौशल)

(3) पठन कौशल (पढ़ना)

(५) लेखन कौशल (लिखना)

श्रवण कौशल

सामान्यतः श्रवण का अर्थ किसी ध्वनि, बातचीत, वाद्य संगीत आदि के सुनने से लिया जाता है। किन्तु यह सुनने का बहुत सीमित अर्थ है । भाषा - शिक्षण के संदर्भ में 'श्रवण' का अर्थ सुनकर भाव अधिगम या भावग्रहण करना है । इसका अर्थ मात्र ध्वनियों का सुनना ही नहीं है । श्रवण में किसी कथन को ध्यानपूर्वक सुनने, सुनी हुई बात पर चिन्तन मनन करने, अपना मंतव्य स्थिर करने और तदनुसार आचरण या व्यवहार करने जैसी जटिल प्रक्रियाएँ सम्मिलित हैं। अतः ' श्रवण कौशल' का अर्थ छात्र में ऐसी क्षमता का विकास करने से है जिससे कि छात्र किसी कथन को ध्यान से सुन सके, उसका सही अर्थ समझ सके, सुनी हुई बात पर चिन्तन एवं मनन कर सके और उचित निर्णय ले सके।

श्रवण के प्रकार :

अवधानात्मक श्रवण – अवधानात्मक श्रवण से आशय है श्रुत सामग्री को ध्यानपूर्वक सुनकर उसके मुख्य तत्वों, विचारों, आदेशों – निर्देशों तथा वार्तालाप के सूत्रों आदि को ग्रहण करना ।

FREE SAMPLE

अवधानात्मक – *श्रवण के विकास के लिए आप शिक्षार्थियों को श्रुत सामग्री के मुख्य बिन्दु सुनाने के लिए कह सकते हैं अथवा उन्हें ब्लैक बोर्ड या कॉपियो में लिखने के लिए कह सकते हैं।*

रसात्मक श्रवण – *उचित स्वराघात एवं अनुतान, उपयुक्त गति, भाव भंगिमा एवं लहजे के साथ सुनाई गई अथवा पढ़ी गई सामग्री में दर्शक द्वारा आनन्द प्राप्त करना रसात्मक श्रवण कहलाता है।*

विश्लेषणात्मक श्रवण – *इसमें दर्शक श्रुत सामग्री में प्रस्तुत विचारों, भावों आदि पर तुलनात्मक दृष्टि से विचार करता हुआ अपने पूर्व अनुभवों के आधार पर उनका मूल्यांकन करता है तथा निष्कर्ष निकालता है।*

श्रवण-भाषण-व्यवहार प्रमुखतः दो क्रियाओं पर आधारित हैं-

(1) किसी के बोलने की क्रिया (2) दूसरे के सुनने की क्रिया। सुनने से अभिप्राय है वक्ता द्वारा प्रयुक्त ध्वनियों एवं उनसे बने शब्दों तथा वाक्यों को सुनकर उनमें निहित विचारों अथवा भावों को समझना। भाषण से अभिप्राय है मनोगत विचारों को वांछित गति से इस तरह प्रकट करना कि श्रोता समझ सके। जब हम भाषा के लिखित रूपों को अपने कार्य-क्षेत्र में शामिल .....

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी*

राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2 की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)	
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063

FREE SAMPLE

हिंदी (भाषा – II)

अध्याय – 7

- **अपठित गद्यांश**

गद्यांश- I

निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

गांधी जी अपने सहयोगियों को श्रम को गरिमा को सीख दिया करते थे। दक्षिण अफ्रीका में भारतीय लोगों के लिए संघ, करते हुए उन्होंने सफाई करने जैसे कार्य को गरिमामय मानते हुए किया। बाबा आम्टे ने समाज द्वारा तिरस्कृत कुष्ठ रोगियों की सेवा में अपना समस्त जीवन समर्पित कर दिया। इनमें से किसी ने भी कोई सत्ता प्राप्त नहीं की, बल्कि अपने जनकल्याणकारी कार्यों से लोगों के दिलों पर शासन किया। गाँधीजी का स्वतंत्रता के लिए संघर्ष उनके जीवन का एक पहलू है; किन्तु उनका मानसिक क्षितिज वास्तव में एक राष्ट्र की सीमाओं से बँधा हुआ नहीं था। उन्होंने सभी लोगों में ईश्वर के दर्शन किए। वे सही अर्थों में नायक थे।

- **'जहाँ धरती और आकाश मिलते हुए दिखाई देते हैं' वाक्यांश के लिए एक शब्द है –**

(1) विपिन (2) पारावार

(3) महानद (4) क्षितिज उत्तर : - (4)

FREE SAMPLE

- **'उन्होंने सभी लोगों में ईश्वर के दर्शन किए' वाक्य में रेखांकित शब्द है।**

(1) सर्वनाम (2) भाववाचक संज्ञा

(3) जातिवाचक संज्ञा (4) व्यक्तिवाचक संज्ञा उत्तरः - (3)

- **उन्होंने अपने जनकल्याणकारी कार्यों सी लोगों के दिलों पर शासन किया।' दिए गए वाक्य में काल है**

(1) आसन्न भूतकाल

(2) संदिग्ध भूतकाल

(3) सामान्य भूतकाल

(4) पूर्णकाल उत्तरः- (4)

- **'तिरस्कृत' शब्द का संधि – विच्छेद होगा –**

(1) तिरस् + कृत

(2) तिरस्कृ + त

(3) तिर + कृत

(4) तिरः + कृत उत्तर : - (4)

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

गद्यांश- 2

प्रश्न के उत्तर निम्न गद्यांश के आधार पर दीजिए

फ्रांस के प्रसिद्ध दार्शनिक रोमा रोलां ने कहा था कि पूर्व में एक भयंकर आग लगी है, जो कि वहाँ के अंधविश्वास एवं कुरीतियों रूपी झाड़-झंखाड को दग्ध करती हुई शीघ्र ही पाश्चात्य को भी अपनी चपेट में लेने वाली है। रोमा रोलां का संकेत स्पष्ट रूप से दयानंद

सरस्वती की ओर था, जो कि भारतीय जन-जागरण के पुरोधा के रूप में उभरकर सामने आए थे।

- **अंधविश्वास में समास है**

(1) तत्पुरुष (2) कर्मधारय
(3) द्वंद्व (4) अव्ययीभाव
उत्तर-(2)

- **उपसर्ग, तत्सम शब्द और हिंदी के प्रत्यय निर्मित शब्द हैं –**

(1) दार्शनिक (2)झाड़-झाखाड़ों
(3)कुरीतियों (4)पाश्चात्य उत्तर – 3

- **'पुरोधा' शब्द में संधि है।**

(1) गुण (2)व्यंजन
(3)यण (4)विसर्ग उत्तर – 4

- **निम्न में तत्सम शब्द है।**

(1) संकेत (2) चपेट
(3) आग (4) झाड़ उत्तर – 1

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

गद्यांश- 3

नीचे दिए गद्याश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सबसे उचित उत्तर वाले विकल्प चुनिए –

"किसी को देखने के लिए आँख की नहीं, दृष्टि की आवश्यकता होती है" स्वामी विवेकानन्द का यह कथन इस महिला के जीवन का दर्शन बन गया है। इसी जीवन दर्शन के सहारे उन्होंने एक ओर कठिनाइयों का सामना किया, तो दूसरी ओर सफलता का मार्ग ढूँढ़ा और उस पर निर्भयता से बढ़ चलीं। जी हाँ, हम बात कर रहे हैं मुम्बई की रेवती रॉय की ।

रेवती रॉय वह महिला हैं जिन्होंने .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

***नोट** – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

- ***वर्ण विचार***

भाषा के दो रूप होते हैं-

1. ***मौखिक या उच्चारित भाषा-*** *मौखिक भाषा की सूक्ष्मतम इकाई ध्वनि होती है। वास्तव में ध्वनि का संबंध सुनने व बोलने से है। यह भाषा उच्चारण पर आधारित होती है। उच्चारण करने के लिए मानव के जो मुख्य-अवयव काम करते हैं वह उच्चारण अवयव कहलाते हैं।*

2. ***लिखित भाषा-*** *लिखित भाषा की सूक्ष्मतम इकाई वर्ण होती है। वर्ण का संबंध लिखने व देखने से है। वर्ण ध्वनि रूपी आत्मा का शरीर है।*

लिखित रूप से भाषा की वह छोटी से छोटी इकाई जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते हो वर्ण कहलाते हैं।

जैसे एक शब्द है - नीला।

नीला शब्द के यदि टुकड़े किए जाए तो वे होंगे- नी + ला

अब यदि नी और ला के भी टुकड़े किए जाए तो वे होंगे- न् + ई तथा ल् + आ।

अब यदि न ई, ल् आ के भी हम टुकडे करना चाहे तो यह संभव नहीं है। अतः ये वर्ण कहलाते हैं।

ये वर्ण दो ही प्रकार के होते हैं- स्वर तथा व्यंजन

वर्णों के मेल से शब्द बनते हैं, शब्दों के मेल से वाक्य तथा वाक्यों के मेल से भाषा बनती है। अतः वर्ण ही भाषा का मूल आधार है।

हिंदी में वर्णों की संख्या ५५ है।

वर्णों को दो भागों में बांटा जाता है -

1. ***स्वर*** 2. ***व्यंजन***

FREE SAMPLE

1. **स्वर** - स्वतंत्र रूप से उच्चारित होने वाली ध्वनियाँ स्वर कहलाती है, अर्थात वे वर्ण जिनके उच्चारण में किसी अन्य वर्ण के सहयोग की आवश्यकता नहीं होती स्वर कहलाते हैं।

स्वरों की संख्या 11 - अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ

मात्राओं की संख्या 10 - क्योंकि 'अ' की कोई मात्रा नहीं होती।

2. **व्यंजन** - वे वर्ण जिनके उच्चारण में किसी अन्य वर्ण के सहयोग की आवश्यकता होती है, अर्थात स्वरों के सहयोग से .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

- **शब्द-कोश क्रम में शब्द लिखना, शब्दों के मानक रूप में लिखना –**

शब्द-कोश

एक पुस्तक जिसमें वर्णानुक्रम में किसी भी भाषा के शब्द दिए होते हैं और उन के उसी भाषा में या किसी अन्य भाषा में अर्थ दिए होते हैं, वह शब्दकोश कहलाता है । जिसे अंग्रेजी में डिक्शनरी कहते हैं ।

सरल भाषा के रूप में "शब्दों का संग्रह होने के कारण इसको 'शब्द-कोश' कहते हैं। शब्द-कोश में शब्दों का इस प्रकार संग्रह किया जाता है कि उनका एक निश्चित क्रम बना रहे जिससे कि किसी शब्द को कोश में तलाशते समय असुविधा न हो ।

विषय के आधार पर कोश पाँच प्रकार के होते हैं –

(1) व्यक्ति – कोश
(2) पुस्तक – कोश
(3) विषय – कोश
(4) विश्व – कोश
(5) भाषा – कोश

व्यक्तिकोश

किसी एक साहित्यकार द्वारा अपने साहित्य में प्रयुक्त सम्पूर्ण शब्दों का कोश व्यक्तिकोश कहलाता है। जैसे-जायसीकोश, केशव कोण

पुस्तक कोश

जिस कोश में किसी पुस्तक में प्रयुक्त शब्दों का अर्थ सहित संग्रह किया गया उसे पुस्तक कोश कहते हैं। जैसे- कामायनी कोप्श, मानस कोश आदि ।

विषयकोश

इसमें एक विषय से सम्बन्धित सामग्री अकारादि क्रम सजायी जाती हैं। जैसे-भाषा विज्ञानकोश, पुराणको आदि।

विश्वकोश

इस कोश के अन्तर्गत ज्ञान की सभी महत्वपूर्ण शाखाओं पर सारगर्भित जानकारी दी जाती हैं। विश्वकोश का ही अंग्रेजी रूपान्तर इन्साइक्लोपीडिया' हैं। जैसे- हिन्दी विश्वकोग्य, इन्साइक्लोपीडिया, ब्रिटेनिका, इन्साइक्लोपीडिया अमेरिकाना आदि ।

भाषाकोश

जिस कोश में किसी एक भाषा के शब्दों, मुहावरों एवं लोकोक्तियों को अकारादि क्रम से रखते हुए विभिन्न अर्थ दिये रहते हैं, उन्हें भाषाकोश कहते हैं। जैसे हिन्दी शब्द सागर, हिन्दी अंग्रेजी कोश आदि ।

कोश बनाने पद्धतियाँ

(1) वर्णनात्मक पद्धति

(2) ऐतिहासिक पद्धति

(3) तुलनात्मक पद्धति ।

वर्णनात्मक पद्धति

इसमें किसी भाषा के एक काल में प्रयुक्त सम्पूर्ण शब्दों का संकलन कर उन्हें अकारादिक्रम से रखा जाता हैं। साथ ही प्रत्येक शब्द के सामने उसके कई अर्थ दे दिये जाते हैं। इस पद्धति पर बने हुए कोश इस प्रकार हैं रामचन्द्र वर्मा द्वारा सम्पादित मानक-हिन्दी-कोश' और प्रामाणिक-हिन्दी-कोश' आदि। वस्तुतः इस पद्धति के अन्तर्गत प्रचलन के आधार पर

शब्दों के अर्थ दिये जाते हैं अर्थात् सबसे पहले अधिक प्रचलित अर्थ, फिर कम प्रचलित अर्थ दिये जाते हैं।

ऐतिहासिक पद्धति -

इस पद्धति के अन्तर्गत सभी कालों में प्रचलित शब्दों को अकारादि क्रम से संकलित किया जाता है। शब्दों के अर्थ कालक्रम से किये जाते हैं, प्रचलन के आधार पर नहीं।

तुलनात्मक पद्धति

इसमें भी किसी भाषा के शब्दों को अकारादि क्रम से रखा जाता है। कालक्रमानुसार प्रत्येक शब्द का अर्थ दिया जाता है तथा साथ ही उसी अर्थ में प्रचलित अन्य सगोत्र भाषाओं के शब्दरूप भी दे दिए जाते हैं । गोविन्ददास कृत मराठी व्युत्पत्ति कोश उसी पध्दति पर तैयार किया गया है ।

शब्दकोश निर्माण की विधि

इसके लिए महत्वपूर्ण बातें इस प्रकार हैं

(1) शब्द संग्रह - किसी भाषा का शब्द कोश बनाने के लिए सबसे पहले उसके सम्पूर्ण शब्दों को एकत्र किया जाता है। किसी जीवित भाषा का कोश बनाने के लिए पत्र-पत्रिकाओं, पुस्तकों तथा लोगों से सुनकर शब्द एकत्र किये जाते हैं।

(2) वर्तनी-कोश का निर्माण करते समय शब्दों की मानक वर्तनी का ही प्रयोग होना चाहिए। यदि एक शब्द की अनेक वर्तनियाँ प्रचलित हैं तो उनमें से किसी एक को सर्वशुद्ध मानकर कोश में स्थान देना चाहिए ।

(3) शब्द निर्णय- इसमें कई समस्याएँ होती हैं। जैसे-एक मूल शब्द से अनेक शब्द बने हैं। ऐसे शब्दों को मूल शब्द के साथ रखा जाय अथवा अलग रूप से। ऐसे ही बहुत से श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द हैं जिनके अलग-अलग अथवा एक साथ लिखने की समस्या भी

होती है। जैसे-आम के दो अर्थ हैं-(1) एक फल-विशेष अर्थात् रसाल, (2) सामान्य । इसका क्रम इस प्रकार रहेगा

आम । -(सं० आम्र), रसाल, फल विशेष। (सं०= संस्कृत)

आम 2- (अ०), सामान्य । (अ० अरबी)

(५) शब्द क्रम-शब्दकोश में शब्दों को एक क्रम से रखा जाता है। इससे शब्द आसानी से ढूँढे जा सकते हैं। शब्दक्रम के कई प्रकार हैं -

(क) वर्णानुक्रम, (ख) अक्षरक्रम, (ग) विषयक्रम, (घ) व्युत्पत्तिक्रम।

वर्णानुक्रम सर्वाधिक प्रचलित है। किसी भाषा की वर्णमाला के क्रम के आधार पर.....

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

whatsapp- https://wa.link/cptty4 70website-https://bit.ly/reet-level-2-sst-notes

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)	
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 of 160	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 8

अपठित पद्यांश

पद्यांश – I

कविता की पंक्तियाँ पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों में सबसे उचित विकल्प चुनिए :-

"यह सच है तो अब लौट चलो तुम घर को ।"

चौंके सब सुनकर अटल कैकेयी-स्वरको ।

सबने रानी की ओर अचानक देखा,

वैधव्य-तुषारावृत्त यथा विधु-लेखा ।

बैठी थी अचल तथापि असंख्य तरंगा,

वह सिंही अब थी हहा! गोमुखी गंगा ।

"हाँ, जनकर भी मैंने न भरत को जाना,

सब सुन लें, तुमने स्वयं अभी यह माना ।

यह सच है तो फिर लौट चलो घर भैया,

अपराधिन मैं हूँ तात, तुम्हारी मैया ।

दुर्बलता का ही चिह्न विशेष शपथ है,

पर, अबलाजन के लिए कौन-सा पथ है ?

यदि मैं उकसाई गई, भरत से होऊँ,

तो पति समान ही स्वयं पुत्र भी खोऊँ ।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- **'यदि मैं उकसाई गई, भरत से होऊँ, तो पति समान ही स्वयं पुत्र भी खोऊँ ।' यहाँ कैकेयी है -**

(1) आश्रय विभाव (2) आलम्बन विभाव

(3) उद्दीपन विभाव (4) उक्त कोई नहीं उत्तर : - (1)

व्याख्या- यहाँ करुण रस का विधान है। करुण रस का स्थायी भाव विषाद होता है। जिस व्यक्ति के मन में रस के स्थायी भाव- निर्वेद, घृणा, भय, रति, विषाद आदि जाग्रत होते हैं, उसे आश्रय विभाव कहते हैं। प्रस्तुत पंक्ति में कैकेयी के मन में विषाद का भाव जाग्रत हुआ है। इसलिए कैकेयी आश्रय विभाव है।

- **भाव-शिल्प की दृष्टि से किस पंक्ति में भाव संधि है ?**

(1) यह सच है तो अब लौट चलो तुम घर को ।

(2) वह सिंही अब थी, हहा! गौमुखी गंगा ।

(3) अपराधिन मैं हूँ तात तुम्हारी मैया ।

(4) तो पति समान ही स्वयं पुत्र भी खोऊँ उत्तर : - (2)

व्याख्या- जहाँ समान चमत्कार वाले दो भावों का वर्णन एक साथ किया जाता है, वहाँ भाव संधि होती है। यहाँ 'वह सिंही अब थी, हहा!' में करुण विधान होने के कारण 'विषाद' का भाव है तथा 'गौमुखी गंगा' में शांत रस का विधान होने के कारण 'निवेद' का भाव है। अतः 'विषाद' एवं 'निर्वेद' दो भावों के एक साथ आने के कारण यहाँ भाव संधि है।

- **'यह सच है तो फिर .....**

FREE SAMPLE

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

• राजस्थानी मुहावरें

- **अंकुस राखबौ - नियंत्रण रखना**

प्रयोग - बच्चों पर 'अंकुस' राखबौ जरूरी है।

- **अंग-अंग मुस्काणा, मुस्कराणा - अत्यंत प्रसन्न होना ।**

प्रयोग- नौकरी लगने की बात सुनते ही मोहन का अंग-अंग मुस्करा ग्यौ ।

- **अंत बणाणौ - बुढ़ापे का सहारा बनाना।**

प्रयोग- अपने बच्चे तो विदेश में जा बसे, किंतु लालाजी ने बुढ़ापे में सहारे के लिए एक अनाथ बच्चे को गोद ले लिया। इसे ही कहते हैं, अंत बणाणौ।

- **आँस्था से बैर करणौ - सामर्थ्य से अधिक श्रम करना ।**

प्रयोग- रविन्द्र 70 वर्ष का होकर भी दिन-रात कठिन परिश्रम करता है। यह तो 'आँस्था से बैर करणा' ही हो गया।

- **अक्कल को दुसमण होणौ - अत्यंत मूर्ख होना ।**

प्रयोग - नरेन्द्र अक्कल को दुसमण है। जानबूझकर श्यामू जैसे बेईमान आदमी को पैसे उधार दे रहा है।

- **आपणा पगा पै कुहाडौ मारणौ - स्वयं की हानि स्वयं ही करना ।**

प्रयोग- जिसका खाते हो उसी की तरफ गुर्राना 'आपणा पगा कुहाड़ौ मारणौ' है।

- **आँधी को आम - बहुत सस्ता होना ।**

प्रयोग- आजकल तो आलू आँधी का आम होग्या हैं, जितना चाहो ले लो।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- ***आसमांण छूणौं - बहुत ऊँचा होना।***

प्रयोग- मकर संक्रांति पर पतंगे इतनी ऊँची उड़ जाती है कि वे 'आसमान छूणें लागे ।'

- ***इज्जत मैं बट्टो लागबौं - इज्जत समाप्त होना ।***

प्रयोग- सुबोध नशे का आदी हो गया है। उसने अपने परिवार इज्जत पैं बट्टौ लगा दियौं है।

- ***इल्लत पालबौं - अर्थः मुसीबत मोल लेना ।***

प्रयोग- मैंने कोर्ट में दो पक्षों के विवाद में गवाही देकर 'इल्लत पाल ली' है।

- ***ईद रो चाँद होणौं - बहुत दिनों में दिखाई देने वाला।***

प्रयोग- प्रमोद तुमने ने तो मित्रों से मिलना-जुलना भी बंद कर दिया। 'तू तो ईद रो चाँद' हो ग्यौं है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- ***उठणौं-बैठणौं - मेल-जोल होना।***

प्रयोग- श्याम ने अपने जवान पुत्र की मौत के बाद मित्रों के यहाँ उठणा बैठणा ही छोड़ दिया।

- ***कबर मा पग लटकाबौं - मौत के समीप होना।***

प्रयोग - मैं तो बरसों से कबर में पैर लटकायां बैठ्यौं हूँ, पर मरेंगे तभी जब ईश्वर की इच्छा होगी।

- ***कंधो लगाबौं - सहारा देना।***

प्रयोग - राम के छोटे भाई ने भी .....

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 2*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063

FREE SAMPLE

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

AVAILABLE ON/

www.infusionnotes.com
01414045784
contact@infusionnotes.com

OTHER EDITIONS...

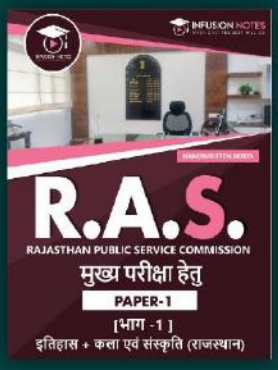

whatsapp- https://wa.link/cptty4 80website-https://bit.ly/reet-level-2-sst-notes